

धसूकृयक ४॥ ॐ



॥ आदिन वा न कृदु वा य

धनकाश ॥ ॥ ॥ वादिरुलया ऊरु स्वलखितं ॥ गुरु ॥

आशा नमः काथि

1.152

ASHA ARCHIVES

नामिषार्यनवमनिवृत्तं॥क नायिदवनदुदिसिजन
नमकनामीदयथकनामि॥२७॥यनसामुगदाषदाय
तिनयूत्रुषाकूम॥अदयकुलवान् यन्नाममदाथान
दायन॥२८॥उयदवाय॥यदुसानन्दे(गविन्दुमाधव
वानककेशव॥विष्वक्सेनदुषीकेशवासुदेवनमा

कुल॥३०॥उयदयवाय॥नमःकृष्णायैयगुदायव
क्रमनकमूर्त्तये॥या(गणनाथागमयत्वमहंशत्रुनीगत
॥३१॥विकर्णुडवाय॥कृष्णायवासुदेवायःदवकीनद
नायवा॥नन्द(गयकृमानायः(गविन्दायनमानमः॥
३२॥सामदकुडवाय॥नमःयनमकल्याणनमस्तु

विष्णु रात्रे न॥ वासूदवायऽभिकाय यइर्णीव दयनम
४॥ ३३॥ भैरवाभिनुवाच॥ नमा बुद्धिधराय गंगा बाह्वी
दिताय च॥ उगदिताय कृष्णाय गंग विन्द्याय नमानमः
॥ ३४॥ श्रीरात्राच॥ ज्ञानसिंघासंकासं पितृवासंम
न्यूनं॥ येन मया किं गंग विन्दु न तेषां विदत रुर्यं॥

॥ ३१ ॥ वने रुड वाच ॥ कृष्णकृष्णकृष्णलत्नः मगतीनांग
तिरुवैरुर्क वा ॥ संसात्रावुवमग्ननायुसादयनमथ्वनः
॥ ३७ ॥ श्रीकृष्ण उ वाच ॥ सत्यं वक्तुं वा मिमनुज्ञाः स्वयम्
दुर्वाहः यो यो मां मुकुन्दनमसि दत्तनादिनति ॥ जीव
नृत्तयनहान्दिनीममनाममातुः वैकुण्ठवासनित्रय

सुखलुपयाति॥३॥॥कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति
निहृण॥३॥॥कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति
महो॥३॥॥कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति
कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति
ह्यस॥३॥॥कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति

सुखलुपयाति॥३॥॥कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति
निहृण॥३॥॥कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति
महो॥३॥॥कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति
कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति
ह्यस॥३॥॥कृष्ण कृष्ण कृष्ण तिथामास्यति

एनं पापाणि कृषू र कि उजाय न ॥ ५२ ॥ यद्वा दड
वाव ॥ नाथयानि सुरुभुय यषु यषु वुजाम्यहं ॥ नषु
नषु यतारु कि नर्त्ति नामु सदा त्वयि ॥ ५३ ॥ याप
ति न विमुक्ता गाना विषय स न्यायिनी त्वामनुस्य
समप्रगतिर्लु ददयामुव संपर्य तु ॥ ५४ ॥ विष्णु

मि तु वाव ॥ किं न स्या दाने ४ किं तीर्थे ४ किं न पारि ४
किमक्षत्रे ४ ॥ यानिर्लक्ष्य यत दवं नात्राय लज्ज गेदु
४ ॥ ५५ ॥ यमदमि त्र वाव ॥ नित्यात्म मथार वरुषा
निर्लंघ्य मंगलं ॥ यथा ददि स्मरु ग वान्मंगलाः
तमाह नि ४ ॥ ५६ ॥ शत्रुवा न उवाव ॥ लारु र्क्ष्वा



1152

Sanskrit Vidyā
Vidyā Vidyā

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथ सुखाकुसुमा यथाशयः॥ यथा मित्वा वनः॥ अमाद
दय सुता नाना रनः॥ ५॥ एतन्म वाच॥ (मकारि दानं गु
ह (मकुका मी माद्य यु या (गयु ग कल्य वासी॥ सुमत्र तदु ल्या
दि नष्ट दानं (मविन्दु (मविन्दु तदु ल्या नाम॥ ५॥ जूति
व वाचा (मविन्दु तिसदा सुानं (मविन्दु तिसदा शयः

(मविन्दु तिसदा सुानं (मविन्दु तिसदा सुानं॥ ५॥
॥ वनिष्ठ वाच॥ कषूति मी के ली नाम यस्या वाचः
युवर्क न॥ रुस्मी रुवर्क निराशु म रुपा य न कनाका
टय॥ १०॥ जूधु धरु वाच॥ कषू नु स व न द व या व स
या त यं श लं॥ ११॥ त धारु द माया गि गि वि वं रु रु ता रु य थ

॥ ११ ॥ ह्रुत्तु नू वा व ॥ नमामि नो नो यो धं तत्त्व ज्ञ वि द्यं ना
म तत्त्व ज्ञा द्वि धि कं ॥ १२ ॥ नमामि ना ना य ध या द वं कं डी क
ग या ग रं त ॥ १३ ॥ नमामि ना ना य ध या द वं कं डी क
ना मि ना ना य ध यू र्त्त नं सदा ॥ व दामि ना ना य ध ना म नि र्म
लं स्म ना मि ना ना य ध तत्त्व म वा यं ॥ १४ ॥ ह्रुत्तु नू क ल क ल्या

न रा र्त्त नं य उ दा य त ॥ पु न् र्त्त नं क म र्त्त नं नि र्त्त नं व दामि स
व धं रु नि ॥ १५ ॥ ग र्त्त नं वा व ॥ ना ना य ध नि म ना मि वा ग
सि व स व र्त्ति ना ॥ त थ यि न व न क म् ध ॥ १६ ॥ ना ना य ध रु तं
म ह ॥ १७ ॥ दा ल्य उ वा न ॥ किं त स्य वा यो र्त्त नं मु र्त्त कि
य स्य र्त्त ना र्त्त न ॥ न मा ना ना य ध य नि म न ॥ १८ ॥ र्त्त नं र्त्त नं

क ४॥१७॥ वेसम्याय न वा य॥ यतुया गज्वन ४ कृष्ण
यतुया ॥ धि नैर्ये ॥ य ४॥ ततुया विजया लुगिदुध
मति मतिर्मम ॥ ७१॥ ह निरुति या वा निडू विरुति
विस्मृत ४॥ जनि कृया स्ये विस्मृत्य दह ह्य व हि या व
क ॥ ये १८॥ य न ग या वा ॥ ग क ई वा वि न य न ह वि वि

य क न द्वय ॥ व द्वा य वि क या ॥ व मा क्रा य ग म न यु
मि ॥ १२॥ पु न य ड वा व ॥ ह रि के क तु क ॥ पू के स र्व द
म धु वि प्रिय ॥ अ वि दु ना म पी यु र्वा वि व रि के नि व न
॥ ७०॥ द्या ग ड वा व ॥ स र्व स र्व पु न ४ स र्व स र्व वा

विइथावु वा७॥नास्तिवदात्यत्रं॥सुंनूदव४क॥वात्य
न४॥५१॥७॥मार्क॥उ वाव४॥स्वर्जदंभाकूदंदवंसू
खदंऊगतागुर्॥कथंमूहूर्मयिर्न वासूदवंनचिक
य७॥५२॥७॥गसू वाव॥निमिषनिमिषार्द्धवायुहिनी
विष्णुचिकना॥तत्तु गुरुं कुरु कुरु ययागं निमिषं वनी॥५३॥

वामदव वाव॥निमिषनिमिषार्द्धवायुस्मनकिऊनादन
॥कूटम्बकाटिस्सुहृमागं तलरं गुरुलं वय॥५४॥गुरुकउ
वाव॥७॥लाकसर्व॥गुगि विवाथं कंयून४यून४॥७॥दम
कंसुनिष्यर्न॥धयाना नाय॥धुनि४॥५५॥७॥वैवकादया
द वायु वय गत या धना४॥कार्कयनी४॥न॥७॥वृषभवंनाना

